

तारीख  
हुकम

09.07.24

वाडीमा पुरा वाह को विज्ञा करने की आवत 510 पत्र पेक्षा होने पर पञ्जावली रिफार्ड से लख होकर पेक्षा हुई। वाडीमा ने कथन किया कि वह उक्त वाह को आगे नहीं पत्राणा पावती तथा विज्ञा करनी पावती है। प्रत्युत 510 पत्र पर वाडीमा को खुला गया। वाडीमा को वाह पत्रा विज्ञा करने की आडुमालि प्रदान की जाती है। मिसलतुज गम्बर से काम होकर बाखिल हफतर हो।

वाडीमा  
Ibrahim  
A

*(Signature)*

उपखण्ड अधिकारी, खेतरी